

কথা :—কাজী নজরুল ইসলাম

স্বর :—কাজী নজরুল ইসলাম ও শ্রীনিতাই ঘটক

স্বরলিপি :—শ্রীনিতাই ঘটক

ভজন --দাদ্রা।

পরমাত্মা নচ তুমি,—, তুমি পরমাত্মীয় মোর ।

হে বিপুল বিরাট মোর কাছে তুমি প্রিয়তম চিতচোর ॥

তোমারে যে ভয় করে, হে বিশ্পাতা,

তার কাছে তুমি রূদ্র দণ্ডনাতা

প্রেমময় ব'লে তোমারে যে বাসে ভালো।

তার কাছে তুমি মধুর লীলাকিশোর ॥

দেখে ভৌক চোখ আঘাতের মেঘে বজ্র তব বিপুল

মোর মালঞ্চে সেই মেঘে হেরি ফোটায় নব মুকুল ।

আকাশের নীল অসীম পদ্ম 'পরে

চরণ রেখেছ হে মহান, লীলাভরে

সেই অনন্ত, জানিনা কেমন ক'রে

আমার হৃদয়ে খেল দিবানিশি তোর ॥

II { গ া গ া থ | -। প া -। [পধা মপা পা | পা (প া প]
 প র ম . . আ . . ন . হ . ত মি . ত মি

I [প া পধা গ ম | -। ম া ম ম | প া -। -মগা | -সগা -মপা -গমা) }]
 প র . ম . . আ . য মো

I পা মা | পণা পণা গা | পণা গ্রস্বা | গা -স্বা স্বা | গ্রস্বা ধা পা |
 হে০ বিৰু পুঁ ল বিৰু রাট মোৰ কা ছেৰু তু মি
 I সা রা মা | পা গা ধা | মদা -ৰা -মপা | -মপা -ৰা -ৰা |
 প্ৰিয়ত মচিত চোঁ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ৰ
 I সৱা গ্রস্বা মগা | মা জ্ঞা রা | সা -রা -মা | -পধা -মপা -ধণা II
 পৰো রৰো মাঁ ০ আৰী য মো ০ ০ ০ ০ ০ ০ ৰ
 ।। II পাৰ্বা র্বা | র্বা র্বৰ্সা -গৰ্বা | গণা গা গা | ধণা পা ধা |
 তো মা রে যে ভৰু ওয় ক রে হে বিৰু পথ
 I না স্বা -ৰা | -ৰা -ৰা -ৰা | রা -মা পা | ধা না স্বা |
 পা তা ০ ০ ০ ০ তা রু কা ছে তু মি
 I না -স্বা না | ধণা -পধা মণা | ধা পা -ৰা | -ৰা -ৰা -ৰা |
 কু ০ দ্র ০ দৰ ০ ন্দৰ ড দা তা ০ ০ ০
 I পা ধপা গমা | রগা পা পা | গা পা ধা | ধণা পধা স্বনস্বা |
 প্ৰে মৰু মৰু ০ ওয় ব'লে তো মা রে যেৰু বাৰু সেৰু
 I গণা ধণা পধা | -ৰা -ৰা -ৰা | পা -না না | না না না |
 ভা লোৰু ০ ০ ০ ০ তা রু কা ছে তু মি
 I পা পন্না না | না স্বা র্বা | স্বা -নস্বা -ধণা | -পধা -ৰা -ৰা |
 মধুৰ র লী লা কি শো ০ ০ ০ ০ ০ ০ ৰ
 I ধা ধণা স্বা | গা ধা ধা | গণা পা -ৰা | -ৰা -ৰা -ৰা |
 মধুৰ র লী লা কি শো ০ ০ ০ ০ ৰ
 I সৱা গ্রস্বা মগা | মা জ্ঞা রা | সা -রা -মা | -পধা -মপা -ধণা II
 পৰো রৰো মাঁ ০ আৰী য মো ০ ০ ০ ০ ০ ৰ
 ।। II সা স্বমা মা | মা মা -ৰা | মা পা পমা | -ধপা জ্ঞা জ্ঞা |
 ০ ০ দে খে ভী ক চো ধু আ ষা চোঁ ৰ মে ঘে

I ଜ୍ଞା -ମା ପା | ଗା ପଣ ସର୍ବା I ସର୍ବା -ନ୍ସା -୧ | -୧ -୧ -୧ I
ବ ୦ ଜ୍ଞ ତ ବ ୦ ବି ୦ ପୁ ୦ ୦ ୦ ୦ ୦ ଲ

[ପା ନ୍ସା ଜ୍ଞା ର୍ବା ସା] [ମା]

I { ନା -୧ ନା | ସା -୧ ସା I ନା -ସା ନଥା | ପଥା ପମା ପା } I
ମୋ ର ମା ଲ ନ ଚେ ସେ ହି ମେ ୦ ସେ ୦ ହେ ରି

I ମା ଗମା -ପଦା | ପା ମପା ଗମା I ମା ପା -୧ | -୧ -୧ -୧ I
ଫୋ ଟା ୦ ଯ ନ ବ ୦ ମୁ ୦ କୁ ୦ ୦ ୦ ଲ

I { ମା ପା ନା | -୧ ନା -୧ I ପା ନା ନ୍ସା | ସା -୧ ସା I
ଆ କା ଶେ ର ନୀ ଲ ଅ ମୀ ମ ୦ ପ ୦ ଦ୍ୱ

I ନ୍ସା ନ୍ସା -ର୍ବା | -୧ -୧ -୧ I ସା ସଜ୍ଜା ରସା | ଧ୍ଵା ସଣା ଗା I
ପ ୦ ରେ ୦ ୦ ୦ ୦ ଚ ର ୦ ନ ୦ ରେ ଖେ ଛ

I ମା ପା ନା | -୧ ସା ସର୍ବା I ନା ସା -୧ | -ନ୍ସା -ଧଣା -ପଥା } I
ହେ ମ ହା ନ ଲୀ ଲା ୦ ଭ ରେ ୦ ୦ ୦ ୦ ୦ ୦

I ପା ଧା ମା | ପଥା -ଗା ଗା I ପା ସନା ସା | ଗା ପା -୧ I
ମେ ହି ଅ ନ ୦ ନ ତ ଜା ନି ୦ ନା କେ ମ ନ

I ମପା ମଗା -୧ | -ମଗା -ରସା -୧ I ସା ଗା -୧ | ଗା ମା ମା I
କ ୦ ରେ ୦ ୦ ୦ ୦ ୦ ଆ ମା ର ଦ୍ୱ ଦ ଯେ

I ରା ମା ପଥା | ମପା ଗମା ଶଜ୍ଜା I ରଜ୍ଜା ସରା -୧ | -୧ -୧ -୧ I
ଫେ ଲ ଦି ୦ ବା ୦ ନି ୦ ଶି ଭୋ ୦ ୦ ୦ ୦ ୦ ର

I ସରା ଗ୍ର୍ମା ମଗା | ମା ଶଜ୍ଜା ରା I ସା -ରା -ମା | -ପଥା -ମପା -ଧଣ IIII
ପ ୦ ର ୦ ମ ୦ ୦ ଅୁ ଯ ମୋ ୦ ୦ ୦ ୦ ୦ ୦ ର

ଗାନ୍ଧାନିର ପ୍ରଥମ ଲାଇନେର ଶୁରୁ ଦିଯାଛେ କବି ନଜରଲ ଇମ୍ରାମ—ବାକୀ ଶୁରୁ ଆସାର । କୁମାରୀ ମାଧ୍ୟମ ମୁଖୋପାଧ୍ୟାୟ ଏହି, ଏମ୍, ଭି ରେକର୍ଡେ ଗାନ୍ଧାନି ଗାହିଯାଛେ—ଇତି ଶ୍ଵରଲିପିକାର ।